संख्या-695/2021/4348/41-2021-133(बजट)/2020

प्रेषक,

संजीव कुमार श्रीवास्तव
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग **लखनऊ, दिनांक 06 दिसम्बर 2021**

विषयः- मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत जनपद फतेहपुर के विभिन्न वि0स0क्षेत्रों के पर्यटन स्थल के विकास हेतु द्वितीय /तृतीय किश्त की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-4821/मु0मं0सं0यो0(38)/2021 दिनांक 22 नवम्बर 2021 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में जनपद फतेहपुर के 05 वि0स0क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों के विकास हेतु नामित कार्यदायी संस्था - यू0पी0पी0सी0एल0 द्वारा तैयार किये गये आगणनों के सापेक्ष निम्नवत् मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में **जनपद फतेहपुर के 05 वि0स0क्षेत्रों-अयाहशाह/जहानाबाद/हुसैनगंज/ खागा एवं चायल के पर्यटन स्थलों के विकास हेतु नामित** कार्यदायी संस्था - उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0 द्वारा तैयार किये गये आगणनों के सापेक्ष निम्नवत् प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति शासनादेश सं0- 53/2021/4833/41-2020-133(बजट)/2020 दिनांक 27-01-2021 द्वारा प्रदान की गई थी एवं शासनादेश सं0-438/2021/2426/41-2021- 133 (बजट)/2020 दिनांक 14-9-21 द्वारा द्वितीय किश्त जारी की गई थी :-

क्रमांक	विधान सभा क्षेत्र	परियोजना का नाम	प्रशासकीय स्वीकृति (रूपये लाख में)	प्रथम किश्त के रूप में वित्तीय स्वीकृति (रूपये लाख में)	द्वितीय किश्त की धनराशि (रू0 लाख में)
1	2	3	4	5	6
1	अयाहशाह	ब्लाक अथोशर ग्राम बगहा मजरे सरकण्डी खास में स्थित श्री तेलान बाबा के प्रसिद्ध मंदिर का पर्यटन विकास कार्य।	49.30	24.65	12.35
2	जहानाबाद	प्राचीन पर्यटन स्थल खजुहा का पर्यटन विकास कार्य।	46.48	23.24	11.62
3	हुसेनगंज	श्री श्री श्री भगवान मगनानंद जूदेव परमहंस पूर्व वज्जीकाचार्य का आश्रम बड़ी कुटी तिवारीपुर सेनपुर का समेकित पर्यटन विकास कार्य।	48.84	24.42	12.21
4	खागा	फाल्गुन गिरि बाबा के आश्रम एवं रामलीला	48.99	24.49	12.25

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

		ग्राउण्ड का पर्यटन विकास कार्य।			
5	सदर	अयोध्या कुटी मंदिर का सौन्दर्यीकरण एवं समेकित पर्यटन विकास कार्य।	49.05	24.52	12.26

3- उक्त के अतिरिक्त मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में जनपद फतेहपुर के वि0स0क्षेत्र -बिन्दकी के पर्यटन स्थल के विकास हेतु नामित कार्यदायी संस्था - यू0पी0पी0सी0एल0 द्वारा तैयार किये गये आगणन के सापेक्ष निम्नवत् प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति शासनादेश सं0- 53/2021/4833/41-2020-133(बजट)/2020 दिनांक 27-01-2021 एवं यथासंशोधित शासनादेश सं0- 2439/2021/4833/41-2020-133(बजट)/2020टी0सी0 दिनांक 20-09-2021 द्वारा प्रदान की गई थी :-

क्रमांक	**विधान सभा क्षेत्र**	**परियोजना का नाम**	**प्रशासकीय स्वीकृति (रूपये लाख में)**	**प्रथम किश्त के रूप में वित्तीय स्वीकृति (रूपये लाख में)**
1	**2**	**3**	**4**	**5**
1	बिन्दकी	शोभन सरकार आश्रम का समेकित पर्यटन विकास कार्य।	47.31	23.65

4- तत्क्रम में महानिदेशक पर्यटन द्वारा अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र/ निरीक्षण आख्या/ गुणवत्ता प्रमाण पत्र/ पर्ट चार्ट एवं फोटोग्राफ उपलब्ध कराते हुये शासनादेश दि0-29-9-21 के क्रम में डिफेक्ट लाइबिल्टीज अवधि के लिये 05 प्रतिशत धनराशि को रोकते हुये अवशेष धनराशि अवमुक्त करने का अनुरोध किया गया है परन्तु उल्लेखनीय है कि न तो योजना की मदवार वित्तीय/भौतिक प्रगति बताई गई है और न ही योजना में कराये जा रहे कार्यों की पृथक पृथक प्रगति अंकित की गई है। जी0एस0टी मद में **वास्तविक रूप से** व्यय की गई धनराशि के संबंध में तिथिवार विवरण एवं जी0एस0टी0 इन्वायस की सक्षम स्तर से प्रमाणित प्रति नहीं उपलब्ध करायी गई है।

5- अत: उक्त के दृष्टिगत मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रायोजनाओं के अवशेष कार्यों को कराये जाने हेतु निम्नांकित विवरणानुसार तृतीय किश्त की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्रस्तर-7 (1) से 7(12) पर अंकित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं **:-**

क्रमांक	विधान सभा क्षेत्र	परियोजना का नाम	प्रशासकीय स्वीकृति/ प्रथम किश्त/ द्वितीय किश्त के रूप में वित्तीय स्वीकृति (रूपये लाख में)	तृतीय किश्त के रूप में वित्तीय स्वीकृति (रूपये लाख में)
1	2	3	4	5
1	अयाहशाह	ब्लाक अथोशर ग्राम बगहा मजरे सरकण्डी खास में स्थित श्री तेलान बाबा के प्रसिद्ध मंदिर का पर्यटन विकास कार्य।	49.30/24.65/12.35	रू0-5.12 लाख
2	जहानाबाद	प्राचीन पर्यटन स्थल खजुहा का पर्यटन विकास कार्य।	46.48/23.24/11.62	रू0-4.85 लाख
3	हुसेनगंज	श्री श्री श्री भगवान मगनानंद जूदेव परमहंस पूर्व वज्जीकाचार्य का आश्रम बड़ी कुटी तिवारीपुर सेनपुर का समेकित पर्यटन विकास कार्य।	48.84/24.42/12.21	रू0-5.10 लाख

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

4	खागा	फाल्गुन गिरि बाबा के आश्रम एवं रामलीला ग्राउण्ड का पर्यटन विकास कार्य।	48.99/24.49/12.25	रू0-5.12 लाख
5	सदर	अयोध्या कुटी मंदिर का सौन्दर्यीकरण एवं समेकित पर्यटन विकास कार्य।	49.05/24.52/12.26	रू0-5.13 लाख

6- उक्त के अतिरिक्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वि0स0क्षे0- बिन्दकी की प्रायोजना के अवशेष कार्यों को कराये जाने हेतु निम्नांकित विवरणानुसार द्वितीय किश्त की धनराशि प्रस्तर-7 (1) से 7(12) पर अंकित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

क्रमांक	विधान सभा क्षेत्र	परियोजना का नाम	प्रशासकीय/ प्रथम किश्त के रूप में वित्तीय स्वीकृति (रूपये लाख में)	द्वितीय किश्त के रूप में वित्तीय स्वीकृति (रूपये लाख में)
1	2	3	4	5
1	बिन्दकी	शोभन सरकार आश्रमका समेकित पर्यटन विकास कार्य।	47.31/23.65	रू0-16.77 लाख

7- प्रस्तर-5 एवं 6 में स्वीकृत धनराशि का व्यय निम्न शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

(1) प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि कार्यदायी संस्था को उपलब्ध कराने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि प्रश्नगत परियोजना हेतु शासनादेश सं0- 53/2021/4833/41-2020-133(बजट)/2020 दिनांक 27-01-2021 एवं यथासंशोधित शासनादेश सं0- 2439/2021/4833/41-2020-133(बजट)/2020टी0सी0 दिनांक 20-09-2021 एवं शासनादेश सं0- 438/2021/2426/41-2020-133(बजट)/2020टी0सी0 दिनांक 14-09-2021 में अंकित शर्तों व प्रतिबन्धों का अनुपालन पूर्णतया करा लिया गया है। **इस परिप्रेक्ष्य में कार्यदायी संस्था से वास्तविक लागत/तकनीकी स्वीकृति /एम0बी0/अनुबंध/TenderedTenderedTenderedटेण्डर्ड डाक्यूमेण्ट एवं प्रायोजना पर व्यय की गई धनराशि का व्यय विवरण/मेजरमेण्ट डिटेल्स एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त अभिलेख उपलब्ध कराये बिना तृतीय किश्त नहीं जारी की जायेगी।**

(2) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2019/बी-1-149/दस-2020-231/2019, दिनांक 24 मार्च, 2020,शासनादेश सं0-4/2020/बी-1-192/दस-2020-231/2020 दिनांक 7-4-2020 , शासनादेश सं0-5/2020/बी-1-196/दस-2020-231/2020 दिनांक 11-4-2020 , शासनादेश सं0-6/2020/बी-1-218/दस-2020-231/2020 दिनांक 18-5-2020 एवं वित्त (आय—व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या : 3/2021/बी-1-375/दस-2021-231/2021 दिनाँक : 22 मार्च, 2021 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात् स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा। उक्त कार्यों को अनुमोदित लागत की सीमान्तर्गत ही कराया जायेगा तथा कार्यदायी संस्था को अनुमोदित लागत के अतिरिक्त कोई अन्य धनराशि/चार्जेज नही दिया जायेगा। कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था से कार्य के सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त कर लिये जायेंगे।

(3) **प्रायोजना के निर्माण कार्य में वस्तु एवं सेवाकर (जी0एस0टी0) की धनराशि कार्यदायी संस्था को वास्तविक भुगतान के अनुसार नियमानुसार अनुमन्य होगी तथा इस सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था द्वारा जी0एस0टी0 भुगतान के सम्बन्ध में *तिथिवार विवरण एवं प्रामाणिक प्रपत्र -जी0एस0टी0 इन्वायस* सक्षम स्तर से महानिदेशक पर्यटन के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त के अतिरिक्त लेबरसेस के रूप में प्रदान की गयी धनराशि श्रम विभाग को भुगतान किये जाने का प्रमाण पत्र कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर शासन को उपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ उपलब्ध कराया जायेगा ।**

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(4) यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्यों की गुणवत्ता उच्चकोटि की हो तथा समय-समय पर कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों का पर्यवेक्षण (मानीटरिंग) महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जाय। स्वीकृत धनराशि कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा वित्त विभाग के संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा। वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 22 मार्च 2021 के प्रस्तर-2(9) में दी गयी व्यवस्थानुसार प्रश्नगत निर्माण कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा दो-दो माह की आवश्यकता के लिए आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरण कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी तथा कार्यदायी संस्था द्वारा प्राप्त धनराशि का 75 प्रतिशत उपयोग करने के उपरान्त अगले दो माह के लिए पुन: आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरित कर दी जायेगी। इसका अनुपालन महानिदेशक**,** पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा।

(6) प्रश्नगत परियोजना में होने वाले निर्माण कार्य के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि निर्माण कार्य आगणन के अनुरूप उसके तकनीकी अनुमोदन के अनुसार किया किया गया है तथा परियोजना को कार्यदायी संस्था से हस्तगत कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करा लिया जायेगा एवं निर्मित परिसम्पति का समुचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जायेगा एवं इसकी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट ई-परियोजनाओं की समीक्षा के पोर्टल पर अंकित कराते हुए शासन को अवगत कराया जायेगा।

(7) परियोजना में टाइम ओवर-रन/कास्ट ओवर-रन को नियन्त्रित करने के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम-04/2017 दिनांक 21 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों तथा बजट मैनुअल के प्रस्तर-212 (**V II**) में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(8) परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी निर्धारित प्रपत्र पर सक्षम स्तर से शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। सोशल आडिट से सम्बन्धित व्यवस्था/नियमों का भी पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी।

(9) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो और इसके रख-रखाव हेतु राज्य सरकार के ऊपर व्यय-भार न पड़े। कार्यदायी संस्था से कार्य की समाप्ति के पश्चात सम्प्रेक्षित लेखे अनिवार्य रूप से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

(10) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा। कार्यदायी संस्था द्वारा शासकीय धन पर यदि ब्याज अर्जित किया गया है तो उसे अनिवार्य रूप से राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित किया जाय। यह भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि आगणन में बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यों पर सेन्टेज का भुगतान अनुमन्य न किया जाय। इसका अनुपालन पर्यटन निदेशालय एवं कार्यदायी संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

(11) प्रायोजना में अवशेष धनराशि की वित्तीय स्वीकृति कार्यदायी संस्था एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना/विवरण के आधार पर प्रदान की जा रही है। यदि परियोजना के मानक के सम्बन्ध में कोई सूचना गलत पायी जाती है तो इसका पूर्ण उत्तदायित्व कार्यदायी संस्था एवं पर्यटन निदेशालय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों का होगा। प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष वास्तविक रूप से व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र/कार्य की गुणवत्ता एवं फोटोग्राफ्स आदि सक्षम स्तर से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(12) महानिदेशक पर्यटन द्वारा कार्य पूर्ण होने के उपरान्त कार्यदायी संस्था से सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त किये जायेंगे।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

8- प्रस्तर-5 व 6 में प्रदान की जा रही वित्तीय स्वीकृति की धनराशि पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-44 के अन्तर्गत लेखाशीर्ष-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-104-संवर्धन तथा प्रचार–08- मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास-24-वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

9- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1/2021/बी-1-141/दस-2021-231/2020 दिनांक 20 जनवरी 2021 द्वारा प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

संख्या-625/2021/4348/41-2021-133(बजट)/2020 तद्दिनॉक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3- जिलाधिकारी फतेहपुर।
4- मुख्य कोषाधिकारी ,जवाहर भवन लखनऊ।
5- संबंधित क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ ।
6- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
7- प्रबन्ध निदेशक, यू0पी0पी0सी0एल0 , लखनऊ।
8- परियोजना प्रबन्धक, यू0पी0पी0सी0एल0 , कानपुर ।
9- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7 ,उ0प्र0 शासन।
10- क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी लखनऊ/कानपुर।
11- वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग ।
12- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।